

## दांदेली वन

**स्रोत : डाउन टू अर्थ**

कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ ज़िले में दांदेली वन, जो अपने वविधि वन्य जीवन और पारस्थितिकी तंत्र के लिये जाना जाता है, बदलते जलवायु पैटर्न एवं मानव हस्तक्षेप के कारण महत्त्वपूर्ण पर्यावरणीय बदलावों का सामना कर रहा है।

### दांदेली वन से संबंधित प्रमुख बटु:

- दांदेली वन कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ ज़िले में स्थित है और पश्चिमी घाट का हिस्सा है, जो विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त [जैवविविधता हॉटस्पॉट](#) है।
- यह वन अपनी **समृद्ध जैवविविधता** के लिये जाना जाता है, जिसमें वविधि प्रकार की वनस्पतियाँ और जीव-जंतु शामिल हैं, जो इसे एक महत्त्वपूर्ण वन्यजीव नविस स्थान बनाता है।
- **काली टाइगर रज़िर्व** दांदेली वन से सटा एक संरक्षित क्षेत्र है।
  - टाइगर रज़िर्व में क्षेत्र के दो महत्त्वपूर्ण संरक्षित क्षेत्र शामिल हैं, दांदेली वन्यजीव अभयारण्य और अंशी राष्ट्रीय उद्यान।

### दांदेली वन पारस्थितिकी तंत्र से संबंधित चित्ताएँ:

- **जलवायु परिवर्तन के प्रभाव:**
  - जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा पैटर्न में बदलाव एवं तापमान में वृद्धि के कारण **हालिया कुछ वर्षों में वन पारस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन** और घास के मैदानों में कमी आई है।
- **आक्रामक वदेशी प्रजातियाँ- यूपेटोरियम खरपतवार:**
  - वनों में पाए जाने वाली प्राकृतिक घासों की जगह अब यूपेटोरियम खरपतवार ले रहा है, जिससे **शाकाहारी जीवों की आहार शृंखला पर प्रभाव** पड़ रहा है क्योंकि उनके लिये यह भोजन का मुख्य स्रोत नहीं है, साथ ही यह आग के प्रति संवेदनशील भी है।
- **ऐतहासिक परिवर्तन:**
  - औपनिवेशिक युग के दौरान वनों में हुए रूपांतरण सहित ऐतहासिक परिवर्तनों ने वन के रूपरेखा/प्रकृति को प्रभावित किया है, जिससे यह अर्ध-सदाबहार से नम पर्णपाती वनों में रूपांतरित हो गया है।
- **वन की आग एवं पर्यावरणीय प्रभाव:**
  - ब्रिटिश काल के दौरान नयित्तरित आग ([सलैश एंड बर्न](#)) के दमन तथा वनों में यूपेटोरियम खरपतवार की उत्पत्ति के कारण वन में अनयित्तरित आग लग गई, जिससे बड़े स्तर पर वन पारस्थितिकी तंत्र प्रभावित हुआ।
- **शाकाहारी जीवों एवं शिकारियों पर प्रभाव:**
  - वनों में कम हो रही घासों ने शाकाहारी जीवों की आबादी को प्रभावित किया है, जिससे शिकारियों के लिये तेंदुओं तथा बाघों जैसे जानवरों के शिकार का आधार प्रभावित हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप वन्य जीवों का मनुष्यों के साथ संघर्ष एवं स्थानीय मवेशियों का शिकार बढ़ गया है।

### नषिकर्ष:

- इन उभरती पर्यावरणीय चुनौतियों के नसितारण हेतु तत्काल एवं सतत् संरक्षण प्रयासों की आवश्यकता है।
- पारस्थितिकी तंत्र तथा उन पर नरिभर **समुदायों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों** को कम करने के लिये अनुकूली रणनीतियाँ तैयार की जानी चाहिये।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रलिस:

प्रश्न. पारस्थितिकी दृष्टिकोण से पूर्वी घाटों और पश्चिमी घाटों के बीच एक अच्छा संपर्क होने के रूप में नमिनलखिति में से कसिका महत्त्व

**अधकि है? (2017)**

- (a) सत्यामंगलम बाघ आरक्षति क्षेत्र (सत्यामंगलम टाइगर रज़िरव)
- (b) नल्लामला वन
- (c) नागरहोले राष्ट्रीय उद्यान
- (d) शेषाचलम जीवमंडल आरक्षति क्षेत्र (शेषाचलम बायोस्फीयर रज़िरव)

**उत्तर: (a)**

**प्रश्न. नमिनलखिति नैशनल पार्कों में से कसि एक की जलवायु उष्णकटबिंधीय से उपोष्ण, शीतोष्ण और आर्कटकि तक परिवर्तति होती है? (2015)**

- (a) कंचनजंगा नैशनल पार्क
- (b) नंदादेवी नैशनल पार्क
- (c) नेवरा वैल नैशनल पार्क
- (d) नामदफा नैशनल पार्क

**उत्तर: (d)**

**प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन-सा 'संरक्षति क्षेत्र' कावेरी बेसनि में स्थति है?(2020)**

1. नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान
2. पापकिोंडा राष्ट्रीय उद्यान
3. सत्यामंगलम बाघ आरक्षति क्षेत्र
4. वायनाड वन्यजीव अभयारण्य

**नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:**

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 3 और 4
- (c) केवल 1, 3 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

**उत्तर: (C)**